भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-328

उत्तर दिनांक - 28/11/2024 को दिया गया

ओडिशा में शैक्षणिक संस्थानों के साथ परमाणु अनुसंधान सहयोग

328. श्री मुजीबुल्ला खान

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) क्या सरकार ने ओडिशा में परमाणु विज्ञान और परमाणु ऊर्जा में अनुसंधान के लिए शैक्षणिक संस्थानों के साथ साझेदारी की है;

(ख) परमाणु प्रौद्योगिकी में अनुसंधान के लिए ओडिशा में विश्वविद्यालयों को दिए गए अनुदानों, छात्रवृत्तियों अथवा सहयोगात्मक कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है;

(ग) ओडिशा में छात्रों को परमाणु ऊर्जा और परमाणु विज्ञान में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु क्या पहल की गई हैं; और

(घ) ओडिशा में स्थानीय विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारी के माध्यम से परमाणु विज्ञान अनुसंधान अवसंरचना का विस्तार करने हेतु भविष्य की क्या योजनाएं है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) व (ख) हां। परमाणु ऊर्जा विभाग के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन एक सहायता प्राप्त संस्थान भौतिकी संस्थान, भुवनेश्वर ओडिशा में स्थित शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोगात्मक कार्यक्रम चलाता है। परमाणु ऊर्जा में अनुसंधान के लिए ओडिशा में विश्वविद्यालयों को प्रदान की गई अनुदान सहायता वर्ष वार निम्नानुसार है:

वर्ष	सहायता अनुदान
2021-22	31.31 करोड़ रुपए
2022-23	49.37 करोड़ रुपए
2023-24	39.64 करोड़ रुपए
2024-25 अक्टूबर 2024 तक	27.24 करोड़ रुपए

(ग) डीएई के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सहायता प्राप्त संस्थान - भौतिकी संस्थान (आईओपी) और राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (नाइसर) - दोनों ओडिशा/भुवनेश्वर में स्थित हैं और छात्रों को परमाणु ऊर्जा और नाभिकीय विज्ञान में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए समय-समय पर विभिन्न स्कूलों/कॉलेजों/विश्वविद्यालयों में आउटरीच कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। इसके अलावा, छात्र नियमित अंतराल पर समय-समय पर जानकारी और अनुभव प्राप्त करने के लिए इन संस्थानों का दौरा करते हैं।

नाइसर ने छात्रों और शिक्षकों के लिए अपने विज्ञान प्रतिभा कार्यक्रम के माध्यम से केंद्रीय विद्यालयों (केवीएस) और जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवीएस) के छात्रों के बीच आउटरीच गतिविधियों को आरम्भ किया है, जिसका मुख्य उद्देश्य जनता में वैज्ञानिक ज्ञान का प्रसार करना, विभिन्न वैज्ञानिक अवधारणाओं के बारे में सवाल पूछने की क्षमता विकसित करना और हाई स्कूल के छात्रों और शिक्षकों तक पहुंचकर मूल स्तर पर विभिन्न प्रयोगों को करने के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना है।

(घ) नाभिकीय अनुसंधान ढांचे को बढ़ावा देने/विस्तार करने के लिए डीएई ओडिशा के विभिन्न प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करने के इच्छुक है।

*****